https://www.khabriadda.in/uttar-pradesh/edii-ahmedabad-will-develop-entrepreneurs-in-collaboration-with-two-universities-of-up/

ईडीआईआई अहमदाबाद उप्र के दो विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर तैयार करेगा उद्यमी

लखनऊ। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) अहमदाबाद उत्तर प्रदेश के शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में उद्यमी तैयार करेगा। इसे लेकर गत शुक्रवार को राजभवन में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के समक्ष ईडीआईआई ने उत्तर प्रदेश के दो विश्वविद्यालयों मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एमएमएमटी) और छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर(सीएसजेएमयू) के साथ एमओयू (समझौता पत्र) पर हस्ताक्षर किए हैं। इससे छात्रों को उद्यमिता से जोड़ने के साथ ही ग्रामीण अंचल के लोगों को भी उनकी रुचि के हिसाब से प्रशिक्षण देकर उद्यमी बनाया जाएगा।

ईडीआईआई अहमदाबाद के महानिदेशक सुनील शुक्ल ने शनिवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान बताया कि यह कार्यक्रम छात्रों को उद्यमिता के क्षेत्र में प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालयों में लागू किया जाएगा। नये शैक्षिक सत्र से छात्रों के लिए लघु एवं दीर्घकालिक पाठ्यक्रम शुरू होंगे। इसी संबंध में दोनों विश्वविद्यालयों के साथ एमओयू हस्ताक्षर किए गए हैं।

इस एमओयू से उत्तर प्रदेश में नवाचार, स्टार्टअप और उद्यमिता की दिशा में छात्रों को प्रेरित एवं प्रोत्साहित किया जाएगा। इन दोनों विश्वविद्यालयों में उद्यमिता पाठ्यक्रमों का संचालन, छात्र का स्टार्टअप और इन्क्यूबेशन में सहयोग, आपसी संसाधनों को साझा करना, फैकल्टी ट्रेनिंग, शोधपत्रों का पब्लिकेशन जैसी चीजों में ईडीआईआई मदद करेगा। यह एमओयू तीन साल के लिए किया गया है। इसकी खास बात यह भी है कि किसी भी उम्र का व्यक्ति प्रशिक्षण लेकर उद्यमिता क्षेत्र में खुद को स्थापित कर सकता है। ज्यादातर लघु कोर्स नि:शुल्क होंगे। जिनकी फीस निर्धारित है, उसके लिए बहुत कम शुल्क रखा गया है।

उत्तर क्षेत्रीय कार्यालय प्रभारी सह आचार्य डॉ. अमित द्विवेदी ने बताया कि ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार भी उद्यमिता को बल दिया जा रहा है। ईडीआईआई ने इसमें सहयोग करते हुए उत्तर प्रदेश के 15 ब्लॉकों में स्टॉर्टअप विलेज एंट्रेप्रेन्यूशिप कार्यक्रम के तहत अब तक नौ हजार 874 ग्रामीण उद्यमियों को प्रोत्साहित किया है। ईडीआईआई अहमदाबाद का क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ में मीराबाई मार्ग पर स्थित है। सीएसजेएमयू कानपुर के कुलपति प्रो. विनय पाठक और एमएमएमटी गोरखपुर के कुलपति प्रो. जेपी पाण्डेय वर्चुअल माध्यम से जुड़े थे। प्रो.विनय पाठक ने एक सवाल के जवाब में बताया कि विश्वविद्यालय की तरफ से पढ़ाई में अच्छे अंक लाने वाले छात्रों के साथ ही उन छात्रों को भी मेडल दिया जाएगा जो अच्छे उद्यमी बनेंगे। इससे युवाओं को प्रेरणा मिलेगी।